

DPN 6005

Title : हितोपदेश नीतिसार HITOPADEŚA NĪTĪ SĀRA

Run. No. 6696

Cat. No.

Micro. No.

Subject नीति Didactic

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 25.5 x 7.5

Folios 1-68 Lines (in a page) 6
missing 1st folio

नेपाल भाषां ऊर्वा मरिचि नूतन पत्र
Sanskrit text with new
meaning

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

प्रशुपतिमान पःमाय

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Prasūpatiman Pāhmayā

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

१

इति हितोपदेश नीतिसार मितराम नाम प्रथम पीठे समाप्त ॥
शुभं भवतु ॥ ॥

विंशत्ययनाल ॥ ० ॥ सुवदव्यविद्यैवदव्यमाद्वनरुमंशादयत्तादनयत्तायक्यत्तायसर्वदा ॥ समस्तया
 सिनंविद्याभयाधनदरुमनयानंभवनलास्यैरुयमद ॥ ॥ रागमयगिविद्यैवनिगायिनसविदुसमूदमिदद
 दृष्टानुयसाभामकयव ॥ ॥ विद्यानकुसादविद्यायनियरुयसुद्यादासायवृद्धत्वदिनीयायीयनसदा ॥ ॥ य
 त्ववैराज नलसुदसकाबोनायथाकवैरुकथाकलेनवालानीनीगीरुदिरुकथाने ॥ ॥ बाधनदकासुनिद्योशिव
 जनयादखलेसदकासुथीसाकमदवक्रमनयानिद्युयाजनरुवधुमिनमुखकवाचकनीगिसयकमिमिमिनमानक
 धासैरुदनयादनिगिजिनकाय ॥ ॥ मिठलारुसुदरुददिविद्यरुःसधिवदव ॥ ॥ यकमकुहथान्यसा ॥

कानेन वक्रुयाति स्मा चक्रुः ॥ ४ ॥ यि उं य वय रु लै ॥ ॥ वा जा सी ग थ वि रु य व धा व सा का य जा य ल या व रु का य
 या य यि रु क म रु ल दा व ध म क म रु ल द व म नो थ धा ल मा नो यो कान या नू ग उ द या व रु य मि खा नो क य सी
 म या धा ॥ ५ ॥ म रु व द ध र्क ॥ ॥ किं वा म जा नो य न जा नं न जा नि वं स म न नि रा य नि वा रु नि सै सा वं म रु ४ को
 यान जा य नै ॥ ॥ थ थ द न कं जा य न य व दा व जा न रु व धा य म य थ व वं स ध र्क द न वि द्या म स व दा व म न य
 मा रु न रु य यो उन सि य व य रु व स नं य वि व र्क सै सा ल स म म रु स सा व जा य व य धा य वि द्या वं म रु थ का ध र्क
 ॥ ० ॥ म रु य व ग नि ग मा रं रा य रु नि न क थि नी स र्क मा य स्या नं ना म्वा य दि स र्क नो व द व धा रु द णी रु व मि ॥ ॥

३

म रु य वं ॥ य रु नो थ क र्क य न क य ॥ का य नि द रु रं ॥ क स य नो रु व लू द ध ॥ म म दा धा श मि क ॥ म रु धि ॥ ० ॥ स ना
 नी रु थ रु म स य रु म नी धा दि व व य व या रु व रु य व व न स थ व द सा स व न कं स रु धा मि क या द न य रु जा य म
 रु व ध र्क ॥ ॥ क थ धा र्क ॥ म रु थ ग मा नि ह्य म रा गि का व यि या च रु थो य य वा दि नी न ॥ व रु ध य रु नो रु थ क वि
 वं वि द्या य जि व लो क स ख ष नि ना नि ॥ ॥ नी नि स रु सा म ग या ध न वं क रु य व व नं नि ध गि रु य म रु दा की न ध म
 य क न रु वं रु व य थ व व सा स व रु य रु थ ॥ वि द्या न स र्क या द य रु ध य रु ना न सी सा व या स रु व र्क ॥ ० ॥ क रु
 थ म दा नि म नं म रु ना ग न व रु ॥ की य नी ॥ ० ॥ स थ नि न का य य नि ग थ नी वि षा रु म य कं ध र्क वा जा स

[illegible]

नया सर्थे नवा माया दन सर्थे या यमाल ॥ ॥ अथि व ॥ यद हा विनत द्वा वि वेन्न न द न था ॥ ॥ नि वि ना वि
 य धी य म ग रु ॥ कि न यि य न ॥ ॥ न त का र्थे रु मा नी कां या वि दा ल स्य व र्ने ॥ य था द्वा के न व के न न व थ स्य
 ग नि रु वे न ॥ न वं य व काले न वि ना दे वं न सि द्धा नि ॥ ॥ ग थ वा क रु वा क न ल धं डी व के म डि ल अ र्थं द दे व न
 म न स्या न म नू या न थ म न रा व या थ रु का र्थे सि द्ध य के द ॥ ॥ य वे क म क र्ने क म न दे वा मि नि क थ नी ॥ न स्या य
 व काले न स त्क र्था ड द डि न ॥ ॥ दे व न ग थ त्वं धा ल सा थ म य वे क म स रु क र्थे या न ड गु वि धा व थ नि न य
 वे क र्था या थ म या दा क र्थे स य म द न म नू या न ड द म या य व र्ने मा ल सि ध यि व म सि ध यि व थ व रा ग ड द म

ललनें मनें व॥ ॥ काकना ॥ लीनययाक रुदसु यिनिधिमगुः ॥ नसयंदे वमादरे यवयार्थमयाकने ॥
 ॥ काकना वमसधन संयाक रुसो धवदु वने बोद रुवमने देवननाधर्क कासो मविद धमयवयार्थ रुसो कायमा
 ल ॥ ॥ यथा मुल्लिगुः कर्को कवने यद्यदि रुमि ॥ नवमात्मकने कर्म मानव हयकि यदने ॥ ॥ गधकका
 लनवावठान मानावमुक धमयया यदार्थ दयकार्थ धल धर्मनयान धन ज्ञान यादा कर्म यादीन रु
 वने ॥ ॥ यथा वीक ॥ माना वी वि यिना लुके यालाया मनयथि नक्षत्रा रने सरामध्या रुसम ध्ववकी यथा
 ॥ ॥ सामवे विद्या न वृक्ष रुया दन धयनि सान हादा ववनम देसो वावक सक्षामु अया समयापिव रुवो

धद्रु दे सगनस वां हो ल धर्म सराम असा रुवै ॥ ॥ वयो वन सं यत्र विष्णु लकल सरु वा विद्या दी
 नान हारुके निगधा ॥ वीके शुका ॥ ॥ वयव रुया दन यो वन न सं यत्र या दन रिद कल सजा यलयि
 धरु ल विद्या म सवना व अहारा रुले साय रु करिद वासना मद्रु किं शुका सानर्थ ॥ ॥ नमि नयित्वा
 सजा यथी रु सजा का विववान् ॥ ॥ धयका वन धवाजा सं न विरु वया व यिगु रुमन के सरा या द विद्या न
 ॥ रो रो यिगु रु यमी ॥ अरुकि कशिपु देव रुके ॥ ॥ वाजा सान सरा मयि दिकली क आरु विव विवी रु सजा द
 रु रु स व स न दे रु ने धर्के ॥ ॥ कयानी ममय रुनी नीमि म मागी ॥ मामिनी नीमि रु साय द हान यन रु मं क

विष्णुनि॥ ॥नाकासं नआह्लादयकर्वै ऊं काययनिसद्वृत्तिं निमिमसवडआदआह्ला॥ ॐ सुलस्यननी
 निष्ठा मुडयदं विस्मयूनकअयासकदाध्वकै॥ ॥यमः॥कावःकाक्कनसंसर्गवर्तमानकनिद्रुर्गैरथ
 सत्सनिधनं नसर्वोयात्रियवीनतां॥ ॥गधालेधावसाखालवमुकव लवमुकवसंयननवदावमवका
 गमादिनं नक्षत्राणैकं धर्मं धर्मं सत्यवसवयं धिगववचनावमर्यद्वुलसर्नहानिद्रुय॥ ॥उक
 ॥दीयनं दीनमनिष्ठावर्तमानं सत्समागमात्समेषु समामेति विधिषु विधिषु विधिषु॥ ॥गधालेधावसा
 दिनकववलसा दिनकयवदधुकिद्रववलसा समवेतिद्रुयवयधिगववलसायधिगवयव॥ ॥ना

नाकवैविद्रुसमानाममहायधिगः सकलनीनीष्ठा मुकलह्लावृहस्यनिविवावविद्रु॥ ॥गधालेधावसा
 नआह्लादयकादं दावविद्रुसमोधाया महायधिगः सकलनिमिमसवडआदआह्ला॥ ॐ सुलस्यननी
 कलसिवध्वक नआह्लादयकर्वै॥ ॥देवकलसकृदा॥ ॐ नाकायका निमिमसवडआदआह्ला॥ ॐ सुलस्यननी
 लोनाकासु सुलयावयार्थिदं निमोलकलसकायलयधवाकयययनिनीमिमसवडआदआह्ला॥ ॐ सुलस्यननी
 सयद्रुध्वकै॥ ॥यमः॥नीडवनिदिताकाविद्रुकियारुलवनीरुवै॥ नवायाधं ननायिषु क
 वत्यधनं वक॥ ॥धननययोगयादननानावकालनसयकं मदध्वकै॥ धवकीयायुहमदयकै॥

अनेककामि यकालन सनसन रुदनखट्वा यार्थं वाहलनसक्ता यमरूवधकं ॥ अनेच ॥
 अस्मिन्हीनिमोलेगां स्वयत्तमयिजायने आकावे यद्यवागानो रुत्माकावेमनेकक ॥ रुलया
 नयार्थिद निमोलकलसवाजावसकायलय रुलयालयायुयनि वानथायस यद्यवागमनि यारामस
 खालजायनयर्थं सैरुवमदुर्थं रुलयालयायुयनि धत्वर्थं निवकयमरूवधकं ॥ अनेच ॥
 रुकवेन रुवयगात्रीकेशादयि कुं सकसि ॥ धमिन रुवानदा रुलयालयायुयनि निमिसय
 किं रुयदुधकं ॥ नाजासविनयं यः सर्वं यनरुवाव ॥ नाजामेनविमलयं ह हासं विद्यादाव

विष्णुसमोत्तयिनायन ॥ किंनयिसुमनःसकदाभीरुमिषाताक्षिदक्ष्णायियायिदं वल्लमरुहिःस
 यमिष्टि रुशासुचवेयथादयमिष्टिदुवां विसेंगानदियुगं रुथासत्तानिकेयवहीनवधुयिदीयागं ॥
 गथडदयमिष्टिसयाठ नानावमुकसमरुं सयेयागं अनसुमरुं गेकव रुकव धकोथीसयववसंगान
 वाननादहीनजाकिरुवसनं गेकव रुकव ॥ रुदं यं मस्ययुगाभामयवयं धुनारुवकः युमाता
 मित्युक्ता रुस्यविष्णुसमगः सवदुमानयव रुसवं चाकयुतात्ममयेया मास ॥ धनं रुवयालसेन
 किंयुयनिविद्यासयं कं मालधकं निमिषा मुसयं कं मालधकं धयकालनलाजासन विष्णुसमागं तानामा

नयादनं नानावस्तु कविर्मात्रं वाजयन्तं यनिवत्तुम् ॥ अथ यासादय सुखाय विष्णुर्मात्रं वाजयन्तं
 भगवन्तं यासावकाभनसुखं भुङ्क्ते ॥ ॥ धर्मं लिख्यं हर्षं मध्यायं गुरुं स्वयं वदन्तं सुखासुखं यादा
 वयोदावधयस्तु वसविस्तु समास्तु न वाजयन्तं मद्धं वने यस्तु वदिकं स्वच्छादयकलं ॥ ॥ काव्यं
 सुविनीतं न काव्यं गुरुं मिथी मता वासुनेन नु मुखो न निदुयाक वदन्तं वा ॥ ॥ काव्यं सुआदिने
 नानाधर्मसु अस्मादयानं न स न स वत्तु विमादात्मानं कालं निवत्तु मुखं न वासन स वं गुरुं का
 वदन्ति वत्तु वत्ताय यव मितायादय विर्मात्रं यवत्तु कवि वदधयनि आन कालं हनीव ॥ ॥ गुरु वन्ति

मादाय विविक्तं काकं कर्मादिनां कथं कथयामि ॥ ॥ सुसमाप्तं वाजयन्तं यनि आस्तु विर्वं धर्मिन्
 रुस्तु वसं न विरक्तं स वसनं न सा अगि अयवत्तु काव्यं कायले यावत्तिनं कायधर्कं ॥ ॥
 वाजयन्तं वत्तु कथं गुरुं नुम् ॥ ॥ वाजयन्तं यनि स आस्तु दयक वत्तु द्वा द्वा नं दं न धर्कं ॥ ॥ संयति
 मीठलारु यस्तु यं न यस्यायमा द्यत्तु ॥ ॥ विस्तु सुमास्यं न आस्तु दयक लक्ष्मीं मीठलारु यावत्तु
 द्वा नं धर्कं द्वा यो मिठलारु या अदिष्टा कथं गुणं धर्कं ॥ ॥ असाधना विरुद्धी नावर्द्धि मरुः सुद
 र्ति मा साधय न्नास्तु कार्ये नि काकं कर्मा सु गुरु वत्तु ॥ ॥ द्वा धनं द्वा वत्तु लं मरु द्वा सुखाद

वाले अहं क हि क वृद्धि व न स ह द य मों डा व उ ले म का ये सा ध व र्यं का ख का य ले व ला रू थ य द्र
 स ख ध र्क ॥ ॥ वा ऊ य रू उ व ॥ क थ म न रू ॥ ॥ वा ऊ य रू य नि म न ज मी ख रा थ ध र्क धा व ॥ ॥
 वि स्र स म्भो दा व ॥ ॥ वि स्र स म्भो सां आ हा द य क रं ॥ ॥ अ स्ति त्म दा व वि नि रं वि ष लः त्म ली न र
 ॥ ॥ गा र्ति न्द थ य स त्म दा व ली या गि ल स ता हा क त्म ली लि सि मा रू मा द या व यो द ॥ ॥ क न ना ना
 दि लू सा दा वा ना वा नी या दि नी नि व स ति ॥ ॥ ध सि मा स ना ना दि वा न द षी क व रि वा व व व य दि य नि
 वा गि स व स व र्यं वा ले ॥ ॥ अ थ क दा वि दे व स ता यो त्र ऊ र्यो व व मा व ल रू ज व ले वि नि रु ग व नि क म्प दि

नीनायकं चतुर्मासि लघुयुगनकीनामवायसः शुभं वहेः कुनात्मिवदिनीयं यागदहं वाधमवधम् ॥
 धनं लिखतु द्रुयाय स्रवणं वलङ्कि रुगवत्तकं मुदिनीनायकं चतुर्मासि नयादविज्ञा कल्युगं मलायाद वि
 ज्ञा लं लघुयुगनकनामकी खन जात्रिया सर्ववृत्ताकं सप्तवीर्यं दिगियय रुलस ऊमदुक्तं वडधि याग
 रुदाव ववणवलखनं ॥ ॥ अद्यवयागं वामि र्ये दर्शनं न जाने की मनि र्यं दर्शनानि ॥ ॥ अद्यवयागं द
 नु सवनकं मेन जा कलवलिन ॥ ॥ थप अलिख मरिठ सदा व लघुयुगनकया चितु सवा कलश या
 व चिक वयलं धीनय शाक काल सः मरिठ सीय मालि वर सहा लया व ध सवल वदा थं धया लिवलिः

वल्लिखसययादवर्न॥ ॥लकसुनसहयागि,रुयसुनननानिचदिवहम्रदमाविहानिनय
 विम॥ ॥अनेच॥विषयिनामिदंमवस्यंकेनकी॥उल्लयाययवैकंमदहयमयसिने॥मवनेया
 धिष्मकानांकिंमद्यनियमिथामि॥ ॥मसुवनेनवाधुनमगुलकनानवकीर्णजालंविहीतु॥ १०
 धलंलिथं॥धसववनद्वनेयोकिहोलावजावयादमयायागुरु॥ ॥अस्मिन्वावसमंविर्गम
 वनागकयमवाजाक्षसयविवावीवियति॥विसर्गमदलकनानवकीर्णमास॥ ॥धुधुवीकंहोला
 वनयाखदावतलखनियनिसवीरुवदववाजाववखनिन॥वतलखनियनिसवीरुवदववाजाववखनिन॥

णनिर्जेनेकगुलकनानांसुव॥ ॥धार्थिदुनिर्जेनथायसमन्यायानाममदले॥योकिदय
 ससुवमदधकं॥ ॥नेनिचयामाकावनरुदुयधामि॥यायनानेन॥गुलकनालीरुनामि
 ययिगथारुविमवी॥ ॥धुधुवीकितिरयमयासा॥विजिहवनेमनेदधकं॥वेवहावधन॥धुवी
 किसवीरुवकनधका॥विजिधयायलिथीरुयसुवधकं॥ ॥ककनसुगुलीरुन॥मग्रयंकसुद
 रुचं॥वृद्धयायुनसंयाकः॥यठिकंसमनोयथा॥ ॥मनोथंधवसासुवर्तुकेकनकेदावधि
 नलीरुयावकं॥वनववमहायुखरु॥काधधुन॥मग्रयंकसलवकाव॥मन्याभाचकादुधकं

॥ क्रियागाडवृ॥ कथमंन॥ ॥ वनरुनिधनिमंन॥ मासमाधधकं॥ दन॥ ॥ सासुवः
 वी॥ ॥ याजावलरुनिमंन॥ ॥ आरुमंकादादिना वधवमयधं॥ ॥ अियकंमुव
 दकिनालनेसवलवैयैश्यावलेसासासावयासकनेदंहीधकं॥ ॥ एकीवृद्धतायःसलामः
 कणदसुःसवकीवैकनं॥ ॥ वाद्यरुद्धनमाउद्धयाजालादामसकृष्टमयावयुद्धविनियामि
 वसवीदाववनववकटकदामं॥ ॥ सोतोयानुद्धंरुद्धकनगुद्धां॥ ॥ सोकिन्ननववम
 वयाधसुवृद्धकंनविनयाधकं॥ ॥ नतोवाकाकृष्टनकनचित्तादनालोकिनंसासर्वमदयि

११

संवनि॥ ॥ पधवायवधयाखठदावृद्धिर्नवनववमनसंनतारुयाकंनविनयवयवजिसा
 मायाकंनध्यादसुसायादवमुकलासंरुद्धवधकं॥ ॥ किंत्वमंस्यानधसदयवृद्धिन
 विधि॥ ॥ थाधिदधनयायवलेसावनमनंनसुनिमीयधकं॥ ॥ एतद्वामिष्टादिसुवा
 तोयुनायमिजायवंधुसायमासुदिदमंसंमोमंनदयिमुहाव॥ ॥ किंनुसवेगार्थकंन
 यवृद्धीसदंरुद्धव॥ ॥ यथ्यरुचसंनसममयकालनधनलायकार्थिनधकं॥ ॥ गध्यावीकं
 ॥ नर्तसयमनीवृद्धनयारुदादिमधुनि॥ ॥ सूर्यवनचारुद्धयदिजिवमियधुनि॥ ॥ गध्याधव

६३
 कुरुधि विवस्त्रो दानवियज्ञं दाविडया कसवधकं धनवक्रया कवि या या कार्ये मदुःखं त्वं
 धामसा वाधिनक वक्रया कथका धा मधिवा सल या य कार्ये दक निलागि या क वा सल वक्रा
 य धर्मा धी धर्मे ॥ ॥ दानवो मित्रिय दानं दीयन्ते इत्येव काल दक्षय या वृत्त दानं सार्थे कविद
 ॥ ॥ विमवकु कसस्यं ड यका नया द वि या दान का ववे वस या वस सौ या दान धान सा
 क उरु म धाय ॥ ॥ मदक मव सात्वा सुवह क क न मिदं गृहान ॥ ॥ धर्मिनः कभी दूः
 प्रसिद्धि नया दान धस वरु के केन का वदा या धर्मे ॥ ॥ गतो या दद सो इस्मर्तु या विष्मि स

१८६

वधवर्षा मा वल हायं वानि मगं यत्राय रं ग म दन ॥ ० ॥ ॥ धधका वचन धा या वचन दं दान
 मा वक्रु या या रु य वृ वि नि वने महायं क सगु च का व धा हा व य म रु के ॥ ॥ त्वाम रु म ल य या ह
 मी गे गे न ॥ ॥ धधका वचन धा या वचन दं दान
 दा वं वा व ड न ध का य म ल ध के विं ग य वं ॥ ॥ न ध मी हा रुं य ॥ ॥ नि नि का व न न वा मि व धा धाय
 नं द नाल न ॥ ॥ स सा द व वा र था वि वा शे नं य था य क ला म धू रं ग वी य य ॥ ॥ ध मी हा रुं या
 थ या म म नं थ व म का व ना या या के न न न म रु व स या रु ल स न स रा व म व ग ध र्व धा ल सा द

कर्मसुदीयकालीयेनयानिविद्विष्यां॥ ॥मथधावसासिनकंनेडिनवकंनयासुनरिः
 दडिनववनकंनयासुनविचकनरुनिकायधमरिनकंसासलयंनयासुनरिः
 सिवायाकनयावाडाचिलेनसंज्ञायावचननिवययादाकार्यधयमाताकावदकनंमरिनम
 रुवधकं॥ ॥गुनरुत्वाकाविकपांन॥सदयडवाच॥ ॥धधवाडावचरुनिनधायाकद
 नमयवतलरुनिनंमरुकासनधालं॥ ॥मरुकिंमरुनं॥ ॥मरुमरुयधकं॥ ॥वद्वोना
 वचनंकार्योनायकाविकुयीरुनं॥सर्वेणंसाविवाचनरुडनंयायवकनं॥ ॥वद्वयावचन

[illegible]

११



कविर्कुरुया जालमिदम यदि यगं ॥ ॥ चिञ्चिकलं सानं यद्विरुया दावध यावत्तव स्वादावधोम
 वने गुनधर्कं ॥ ० ॥ यम ॥ अलाना मयिवरुनां सहगिष्कार्ये साधिना तृही गुनत्वमा यनो वधो नम
 मरुदकीन ॥ ॥ चिकुनिध दय दार्थन अदि कवलमून दाव नवध द काउयाय रूवधर्कं बाध
 लं अल सा यावन गु रु सौ दन धर्कं अदि कवलमून दाव मयो हाकिमि वि यति वधर्कं ॥ ० ॥ अर्ध
 संधि य यकि न ॥ सर्वे जाला मा दया यगि ना ॥ ॥ धर्मा विं गल याव सकल वल खनि यानि सान या सत्व व
 स्वा दाव सकल सानं च गाल न वल क सौ वलं ॥ ॥ अरु वं मया स्वा द्वा ला य दाव को सन वली क ॥

१५

यथा दाव नो चिक यन ॥ ० ॥ धर्न लिधु या ठ ला दा ग था संध वल खनि यानि वा साव द सदा व ध सव
 लन लि वलि ज वा द व दा व चिक ल य वधर्कं ॥ ॥ संह ना रु रु व द र कि म जालं म स वि हं ग मा ॥ यदा
 मुनियानि यनं द ध म आ कि म न दा ॥ ० ॥ द्यनि सकलं ठ वा दा व गल मू दा व त्रि या हा सकलं वा यर्क
 यदा धर्कं द्यनि यकि यनि कठिन व व दा व त्रि ला दा न म ला य व धर्कं ॥ ॥ न ग ध दू वि य या मि नि का
 नं य वा ध नि वरु ॥ ० ॥ धर्न लिधु मि खान खने म द य क वा सौ व दा व ध स व ल नि ला सा या दा व लि दा व
 ल धर्कं ॥ ॥ अल कं वा वरु म वली क कयी ना द वृ ॥ ॥ ध स व ल लि दा व द सदा व वल खनि यनि सक

लस्यनैश्चलधर्मे ॥ ॥ किमीदानीमविर्भवे ॥ ॥ आवधयागुरुनकेमाधुधर्मे ॥ ॥ विगुणीवडवाच ॥
० ॥ विगुणीवडावतलखनिनधाल ॥ ॥ मातामिर्भवेयिगवर्गिस्सरावदतिगयंदिर्भवेकाशकावधक
धीनरुवनिदिगवृद्धयः ॥ ॥ सामवधधवसरावधसकायानियादिनयायवधवरावदिनदानसम
कंहिनशयूवधमयादाकाशेयादनमवनयायवधमदिनयनसाधिवदिनयायव ॥ ॥ नदस
सिर्भवेचिधकोनामसूरीकोमलुकिनीयविगवर्गनिवसकिसास्सावकायाहंष्टमागे ॥ ॥ धनिन
किमिर्भवेवैभेकनामदूगधकियाकिलसविविधवनसवसचयावचोदधधनप्रिडिसयागुरुकि

२०

वदधर्मे ॥ ० ॥ ॥ लालोकासर्वेभदिचयकसामिगन ॥ ० ॥ धधुलयावसकलंदिर्वधकनामः
वृषोदाधायरावनधर्मे ॥ ॥ दिर्वनकधुनसवेदायायर्भकनयागनदावंचिद्वर्कत्वा निवसकि
॥ ॥ दिर्वनकधुनधविगवनसवसचयंकोदावसदाकालंयवडयकालयायनिमिगिनचिंनच
यावगनकिवालदयर्भयिहायधायससूनेकथागयादोद ॥ ॥ नरुधकयागवयागरयचकीन
मुहुसिग ॥ ॥ धधधववचनियनिदीसदयागवृनगादावसकवर्भन ॥ ॥ विगुणीवडवाच ॥ स
खदिर्वनकाकिमसावर्नसगीखस ॥ ॥ धधुलंभेकयासमियसकनददावचावतलखनिनधालंरी

29

10

मखरुं के धर्क धडिधकवाठ यनिसनिरे किनेधर्क कामिगहि चनेकधर्क ॥ ० ॥ हिबंघका वाठ ॥ अरुम
 मावला गाष्ट का मवा सुदे वा याषावुं कधमहं ममथारु वामि ॥ ॥ हिलेने कनधाल किभुलेवल जाका
 मुधर्क थुलि मरि स याषरे ने किनग धरु यूदधर्क ॥ ॥ गद्या चमेद का ननु इति गा वरु वरु १५ ॥ २२
 हाशिनादि ॥ कदन नव य धा क मने वा मधिया च त्यामि ॥ ० ॥ किनामी कनदू वल हाष्ट नि या हाष्ट के
 वनेधर्क धनेचि धी डि सखननु ठ था सकल से या हाष्ट ने मखा धर्क ॥ ॥ चिगुणी वा इवद ॥ अरु वं
 किंनु यथा हाष्ट के वा मरु वना चयना मय चय ॥ ॥ चिगुणी वन धाल डि न वरु न दय वा का ख वरु धर्क

यथं गुरुल सने चि सखन वा दथं धयनिसनि या हाष्ट किनेधर्क ॥ ॥ हिबंनने कं ॥ आ ला य वि त्या
 खान यथा शिवा नी वरु ने नि नि वि दान से मने ॥ ॥ हिबंघा कन धा च धन ॥ १६४५५ धन सि व क वरु च
 यथा म खनि कि से मदू नि नि सं मा वा नि नि या ख सं द्वा सा म य म द धर्क ॥ ॥ यम १५ द वा थ धन वा
 ॥ ला वरु दने च यि आ मान धन ने वरु दार् च वा यि धने च यि ॥ ॥ गथा लं धाल सा आय द वा कि
 या काल न स धन ल द्वा या दा व क य माल धन या सि नं मूलन कि वरु च यं क य माल द्वा या सि नं ध
 व आ मा मूलन ल द्वा या ठ क य माल धर्क ॥ ॥ अय व ॥ ॥ म मा थ का म मा दानी या म १५ सि नं दन

23

Q. CMS.

久

O. CMS.

यकविष्णुयावर्तानवसर्गाकालं साध्वर्तुना यादावमया दयादाकायदचचाववसवयं दयाद ॥ ॥ सचमृग
 श्वेचयायविनामनायादृष्टुभावेनावर्तानवसर्गा ॥ ॥ धर्मगनवधवद्वृत्तनयमलयंकुयावेलसयूष्मं गदगादयाद
 वलसधवलद्वंकनयन ॥ ॥ कमालोकाविनयादसोत्पन्नधमस्यामासंसुललिहैर्नंसक्यामि ॥ ॥ धवचाखदा
 वल्लं वकर्तविनवयलं गार्थिदधयाचाध्वकं अयवेनारुदधकं गधनयध्वकं ॥ ॥ सवदुविष्णुमं नावदत्यागयामि
 त्यालोकायवत्यावर्तान ॥ ॥ आवरुकायाधवकाविष्णुस्यावकावयविमाननिस्सयध्वकं थधविंशवयावसवनिदाव
 आदवध्वयध्वकं ॥ ॥ मित्रकनचकं ॥ ॥ सोमिन्द्रसुललाधकं ॥ ॥ सक्कं कनः समागच्छसिक्कं ॥ ॥ मृग

24

[illegible]

۲۴

0 cms.

5

10

15

20

125

भावविदधकं॥ ० ॥ यमहजाति मागुन कोधिर्द्विद्वयनेद्वयनेकाचिद्व॥ वावद्वयवस्त्रयवश्च यश्चाथवावद्व
 ॥ ० ॥ एतथश्चावसाजाति मागुन सञ्चवसनं भावकेवा द्युजवथवा च योवद्वयवसाया द्द्वयवश्च यश्च यश्च यश्च
 यश्चवसा मागुयाय भावकेश्च सा वंश्च सश्चायाय धकं॥ ० ॥ गृह्णाद्वयवद्वयवार्थं नवान्वयवार्थं॥ ० ॥ गृह्णनश्चालल्लुन
 मजागुन चिद्वयवार्थधकं॥ ० ॥ भावद्वयवद्वयवार्थ॥ ० ॥ सीधकश्च नश्चाल॥ ० ॥ अद्वयवद्वयवार्थं नान्य सायिनीवा मीधावद्वय
 वर्थं वाद्ययन गिष्ठा मिवाचिद्वयवार्थं॥ ० ॥ जिध्वगं गागि वस नित्य द्द्वयवार्थं नान्य सायिनीवा मीधावद्वय
 वादा वंदयायन वगवत्तवं वा दधकं॥ ० ॥ यमाध्वमोन समवेध्वमर मययश्चिना ममायय सुवार्थं नान्य सायिनीवा मीधावद्वय

३०

विस्वावर्द्धश्च मेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ द्विध्वमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ जिवावत्सासयाय गार्थमश्चालाध्वकं द्याश्च
 निमन जिह्ववर्द्धश्च मेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ द्विध्वमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ जिवावत्सासयाय गार्थमश्चालाध्वकं द्याश्च
 दावजिध्वनदयाध्वकं॥ ० ॥ एवमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ द्विध्वमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ जिवावत्सासयाय गार्थमश्चालाध्वकं द्याश्च
 यमागिध्वमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ द्विध्वमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ जिवावत्सासयाय गार्थमश्चालाध्वकं द्याश्च
 याधिनिध्वकं॥ ० ॥ ध्ववर्द्धमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ द्विध्वमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ जिवावत्सासयाय गार्थमश्चालाध्वकं द्याश्च
 ध्वनिध्वमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ द्विध्वमेषानुं मरुतायात॥ ० ॥ जिवावत्सासयाय गार्थमश्चालाध्वकं द्याश्च

38

25

शिवाय यज्ञं धवधनमाकवेरसदलिय सवाधवस यज्ञं चलयलदासं वक्राया कक्रधवं ॥ ० ॥ अं मुक
 याहं मुद्राविलाकायिकयग ॥ ६ धं वदगावेद यस्तवं ॥ ॥ धधमृगन धया खं वकन या सवालं वालं सालीव
 विमलयलधवं कानिकं सै सेवने य सालधवं ॥ ॥ वधं य ॥ साने नो मे गा ॥ नं याह सको धमय स वक वा सव
 यं हं स्यामि तु न था न वं य य रा गत या व क र्वा गत या क र्वा ॥ ॥ अं वकन धवं शामि तु मृगध क अमा उद्ध
 या व धु विजिल या द न धनिय का य सि व न य ल व यं या दा धा धं द व न म ग ध अ मा या स र्ध न शामि तु कि ध न धन
 म खा धवं क क्र स द्वा र्वा द न ध या धां कि न र्ध वं म खा धवं ॥ ॥ अ क वं का क ॥ मृग स मा ग न म व ग मा वि ध क

३ अ

धा वि धि द्वा व द न ॥ ॥ धनं धी धमृग या म क स व द्धि व य न मृग मा व या व स ल व न न या ध न क दा व या द स द्वा व
 धा वं ॥ ॥ स ख कि म न न ॥ ॥ शामि तु अ मा द्ध वं ॥ ॥ मृग व न ॥ य व धी वी न स द्वा क सा र्ध लं ॥ ॥ मृग न ध
 ल स द्वा य या व व न म द्वा या र्ध ल न रु ल ध वं ॥ ॥ धा या र्ध ॥ स द्वा दि द्वा का मा नो य धु ना वि न सा वि र्ध वि
 य स नि द्वा न सा स न व र्ध स र्ध व न ॥ ॥ ग ध धा सा ध व क र्ध न या य न द्वा क र्ध न या व व न म द्वा ध क न ध व क मा य द मा ल
 रु व क ध क या अ न द या क क ध वं ॥ ॥ का का व न ॥ मृग ल द्वा ॥ का स न ध ल ध ध ल आ व ग ध वं ॥ ॥ मृग ना र्ध ॥ म
 सा सि नि द्वा न व ॥ ॥ मृग न धा व कि ग आ या द या न ध वं ॥ ॥ का का व द न ॥ मि द्वा कं म र्ध म या ॥ ॥ का स न धा ल

मिथीयशादसूदयमद्वयशानामकायवदसययशादअगिसरुऊनधमिकधर्म॥०॥यम॥यमयदहायागितीसर्वसां
 सकंरंनृनो॥धर्मसयंमनस्यनं॥कस्यविरुसाहामन॥सवमत्साहावविहये॥सुवद्वेशिष्मि॥०॥धनमंसावयावकं॥गलि
 लयदवद्वेशानयायिवधकं॥किरुकाथनकाहाव॥ययधर्म॥०॥यमवयसिधनसात्मानं॥नमिक॥मिथानिववाअवात
 वविद्याममकाशिलं॥यधंयसिधर्म॥०॥यधंअलसा॥थमिसंयससंथकल॥सत्कावयादन॥थमसायशाकं॥अदमदाव
 मिथवांधवं॥मयकदाव॥मियागोम॥सयमदमदाव॥थधंअयस॥थधंयसतवर्तमालधर्म॥०॥अयवय॥यकयम
 नविधर्म॥नककागु॥सहिर्म॥धनिनक्षमियाकका॥नदीर्वेयमुयकम॥०॥धदागामय॥यस॥वसलथममवधमि

४९

क॥शक्ति॥नका॥सवय॥धमिधर्म॥०॥॥नका॥सा॥मयिकमवय॥०॥॥धमनकि॥मका॥०॥॥यधधर्म॥०॥॥यधकायमरु
 मसक॥विमि॥अलार्थ॥सयस॥वय॥धर्म॥०॥॥धर्मलि॥धं॥कसव॥हि॥रं॥यक॥क॥मकु॥सहि॥मन॥नाना॥विमि॥मका॥अकाय
 व॥मद्व॥वका॥दा॥अय॥स॥य॥सलि॥या॥मि॥य॥य॥धर्म॥०॥॥॥मम॥मद्व॥वा॥य॥द॥वला॥क॥ला॥य॥य॥मन॥क॥या॥वृ॥ध्या॥मि॥धं॥सत्कार्य॥वका
 रं॥०॥॥॥यधवद॥लघ॥यगन॥क॥मरु॥लन॥का॥चितन॥वव॥सदा॥व॥य॥द॥दा॥व॥मरु॥लन॥नम॥का॥ला॥अमि॥ध्या॥मधर्म॥०॥॥यम॥
 माला॥गा॥यादि॥वा॥यादि॥वा॥य॥य॥क॥य॥का॥मृ॥का॥म॥॥न॥या॥य॥का॥वि॥ध्या॥म॥का॥॥सर्व॥या॥सा॥म॥नी॥यु॥॥०॥॥॥न॥ध्या॥सा॥वा॥ल॥का॥य॥य॥
 न॥वृ॥ध्या॥म॥नी॥ला॥व॥का॥य॥य॥न॥॥य॥व॥द॥स॥व॥ल॥का॥व॥य॥का॥या॥य॥माल॥धर्म॥॥स॥ग॥रु॥ध्या॥सा॥म॥यु॥व॥का॥य॥य॥न॥॥०॥॥य॥य॥सा

धनगवसावचमया सनामर्षानिकमहाधर्मिकवचनसवयंवाट ॥०॥ अनययंश्चमवयंसावकमानाकासावैरुक्तवचनसाधनय
 योऽल्ललावगनामर्षानिकयुगीयथोनिगा ॥०॥ धर्माधिकनकाधवसननं कामसवगवदावधनयावचनीललावगनामर्षानिकयायाव
 कारधर्म ॥०॥ सावमकवचगाकेगदिकयवैरुयंमवयोवनवर्गवैरुव ॥०॥ धर्मानिकयुगीअगिसवयिकाशवययाफीवडथंठय
 नकवर्गयलकयोवनवर्ग ॥०॥ सववृद्धयानरुखाः संगायायनावव ॥०॥ एकाधयसमिनधर्मसायासंगाखमरुवधर्म ॥०॥ य
 गवर्गानिर्वाहमालोनांघमालोनांमर्षावव ॥०॥ मनानदमर्षानीनांमर्षादीत्यलीययर्गो ॥०॥ एतत्तुधर्मवशावकनयीउवयंहीसय
 याववमाधुमायनयीउयुधिसिद्धयासुयंनार्थमीयवममरुहकमाननयीउवयुकाधयसमीयाक ॥०॥ अयव ॥०॥ यीवगव

७५

यिदृष्टययंसकागासर्कासगा ॥०॥ यकासवमयनययदयमनमर्षफीया ॥०॥ सववृद्धयानरुखासमिवाप्रमवान ॥०॥ धना
 धर्मीविगाधवगुविद्यामरुमांमवावृद्धयकनिरायायानरुखायवगीथीसा ॥०॥ धयावृद्धयसमिनधर्मसाअगिसवकडमधु
 अलसाधनययकआसानसायमासांनयातिथायलनंम्यागुवृद्धयामर्षानिमागुयानयासिनधर्म ॥०॥ अयव ॥०॥ नायसाकंनव
 त्यकाधर्मीविद्ययाअल ॥०॥ अस्मिनीवचनयवोदकायालीधकवर्ग ॥०॥ एतत्तुधर्मवशावृद्धयाजीवनमीनयमर्षिवकाल
 नंमर्षादालाहाममगाालनयवृद्धयमनककययावसादाधुयिथावककानधर्म ॥०॥ अथसावीलावगीयोवनययाव
 मिकामकलमथोकाकनायिर्षानिकयुगेनसदान्मर्षावर्गवसुव ॥०॥ धनंलिधुंधललावगिनयोवनयाअहंकालनधव

64

मिदनायधकनकरं अर्थं मिदमिमादकं गुणानदाज्जु शब्द आगनहानिश्च नगयमन वधकं ॥ ॥ अथियव ॥ यतावकीमकोमाव
यकारकगिथीवन ॥ युगाश्चस्थितिरावतकी स्वायकमहमि ॥ ॥ यावककृतवदवनीसिखरियवयोवनस्य वस्वनासियवियवजि
थिऊनदावकायनणिषरीयवोरुगायननंथवसुसमद ॥ ॥ एकदासोविलावामचलावलीकिलनकावदयथेकनवणिक्कय
यनविहंसालायसुखासिन ॥ ॥ अदूयायस्थवसधलीलायगननसैकसावावदतमयसयायाकयोनिंकेयुगवित्तालवतानाकेया
ह्लास्योवलाशयादसुखनयादधकं ॥ ॥ गमलीकयायोरुगं योममवलाकासरुसात्तुशकणधुगुहत्वापिनरुलसालिंमयचनयोम
एथखनसयसोमवदखद्यवमथनंथयदद्यवलीलायगननचसकसालावद्यसयद्यवत्तयानवधकं ॥ ॥ आरययगीयग ॥ ॥

कयदं धननखं धर्कं धया यरुहया धनमालाजिन धर्कं आवधयुवं समकृताह ॥ गगिहया धवजाकि सवनधर्कं ॥ १० ॥ अथन
 कविठनस्य यरुषस्यालाम धनपुकीया पसुवोत्रिमस्यीन (धो) अकृगवीना यथा ॥ ११ ॥ धनमदक्रमनक्रयातकीनरुलधर्कं धनया
 दाकायसमस्तीनरुसिषाकालसावाभा कथीनरुलधर्कं ॥ १२ ॥ अथयवके ॥ यस्या धस्तीमिजानि वस्या धस्ती वाधवान् हयस्या
 स्मृष्टसोममांसाकयस्यास्मृष्टसवर्थाधुम ॥ १३ ॥ अथ धालसा साया धनदकवया मिमदय सुया धनदकवया वाधवदयवसयाध
 नदकवयालकनमाचया श्रवसाया धनदकडाक यीहि मरुयवधर्कं ॥ १४ ॥ अथयवके ॥ कयुस्ययहं धनसोमिव कीहि मस्ययाम
 सस्यविदगहृन्ना सवर्धनयविदमा ॥ १५ ॥ अथ ध्वं धरसाकयुगयागृहृन्ना साधूसोमिकदक समं मुखे कयादिर्धंग यं धृन्नां सोम

४६

दयाकृकया समस्तं सुतं धर्कं ॥ १६ ॥ अथयव ॥ मानिदि यायविकलानि मयवनामवसावीदरयदिह मादवनं मयव (अथ) अनाविद
 विमहयवसायैवधृन्ना हृदहमरुवागीमविदिममम ॥ १७ ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं ॥ १८ ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं
 आस्थे मरुलोमं कथनं मययानि विहं ॥ १९ ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं ॥ २० ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं
 समवेह्लाशकृममदवधर्कं ॥ २१ ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं ॥ २२ ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं
 धनरुकायविहं यासंगा यय धवहृया कयौले मसमवनगंजन याद्यमयमानसधनिगाहानि क्रनयकासयाशमद
 धर्कं ॥ २३ ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं ॥ २४ ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं ॥ २५ ॥ अथयवसायैवधृन्ना मयालाविमं

465

3.5

[illegible]

धर्मं ॥ ॥ श्रीसुकव्यानकठकवास्तुशांखलवनामवाध्या ॥ ॥ अष्टिर्नवलसकल्यानकठकयसलसंवाहलेखवध्यानामस
वना ॥ ॥ सवेकदायायाद्वरुदसोवध्याकर्तवमध्यांवाधा ॥ ॥ अथशकगुलयायकैरुद्धनविंध्यमकवनसवनधर्मं ॥ ॥ मगरुनवाध्या
दिकामृगमायायामृगाद्यावाकीमरुधूकामरुधू ॥ ॥ अथसवनमृगमृकवादावकादावतलनवाधिकरुधूकसनधर्मं ॥ ॥ म
गरुनमृगमृगानिधायधूकवरुधवेनाहम ॥ ॥ अथधरुसदावधसवनसवायसगयावरुवमानकागधर्मं ॥ ॥ अथकचना
यागमयनयालगाककीर्षेणनसयाध्यायमृकदहाहम ॥ ॥ अथधरुवानकयावमवधयनसयंकलनहालावधसवन
लिदावयमधर्मं ॥ ॥ मरुशिवत्रयमवलयाम ॥ ॥ अथधरुनवादावधसवलीसमाउवध्वीरुगधर्मं ॥ ॥ अथ ॥ अलशीमोवि

[illegible]

एषोऽयं वरुण उवाच ॥ यथा नृणां राजा मया ॥
 तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ १ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ २ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ ३ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ ४ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ ५ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ ६ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ ७ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ ८ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ ९ ॥
 यथा नृणां राजा मया ॥ तथैव भूतानां राजा त्वं भव ॥ १० ॥

माभयाद्वृत्तद्वृत्तनकाथीसखसोमिद्वकं॥॥यनधोक्रुमाहंशाकुप्रहोयोगकमाहाभयवोधि
मायनसमेवोक्तंहीवधोमोम॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन
नातावृयागधक्रयवमभ्रलसतष्टिकमूर्तावयुधकं॥॥यवक्रासंरुमावस्यधनक॥॥रामोमोहवंधकगुध
यकनद्वृत्तधकं॥॥कनयनकनद्वृत्तधकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन
लसक्रासिद्वयविलयावमनदावयिथोमसक्रासंमायथाद्वृत्तनकाथीसखसोमिद्वकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन
मार्थयस्यावकलावलमस्यामिद्विहावमा॥यक्रालनोदयकसाद्वृत्तधकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन

दीदी

निमिआधद्वृत्तधकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन
मोनिहोमथाद्वृत्तधकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन
॥॥संशालसधयायधद्वृत्तधकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन
द्वृत्तधकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन
यथाकाथिनद्वृत्तधकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन
द्वृत्तधकं॥॥यक्रपमभ्रवस्यनहंसलपुववृयातसकुवाद्वृयागक्रासखावीवमन

自

गष्टकनीयमासिनाममागत्यासिचिमात्तपधर्नलध्वंविनामनाममृगानशीष्टनंयाद्यावधयनिवाद्यायसनायस
वधधर्कं॥ममहयअदायकरयरुमुमामृवाकलंयोवेष्ट॥॥धधध्यादावसयनवधमंयललससध्वि
लधर्कं॥॥ममशुकोविवयंयोवेष्ट॥॥धधध्यादावसयनवधमंयललससध्वि
वशिमायासजवधर्कं॥॥ममावधयमनसयरुमुकायालाकिमहयअरुदनादागत्यायनहसदीमिलित्याय
विष्टा॥॥धधध्यादावसयनवधमंयललससध्वि
मनधर्कं॥॥ममवधमंयललससध्वि

15

10

5

मयि नं व व न धा व मा स्यं व या ध कं ॥ व द न या न व व द न र य रु गु मा ला क य था का थो मा ला य क र ॥ ध थ
 ला क थ न क र स न व ल ध थ य स र य या द रु स स्यं ड या य या य दं या रु न ध कं ॥ म ग न धा वं ॥ क म स र य या
 रु ॥ कु ला ण या न वं ग शी मा ॥ का य व आ गि या दा व ल ख या द थ स द न ध कं ॥ ॥ का क म ग थ कं ॥ व का व व म थु
 र ॥ का थ व म ग व स्य न धा व म थ यि ज व द ध कं ॥ ॥ रु य थ का वि म थ य वी रु ॥ ॥ रु वं थ क न व सूर व या दा व धा व
 ध कं ॥ ॥ य न कु ला ण या क म रु य थ क स रं ॥ ॥ कु ला म व दा व म रु व या र य म मा वा क क ण ल रु मा ला ध कं ॥ ॥
 रु ल ग थ कं का वि धा थ ॥ ॥ य ग म म रु स रु ल क रु नं रु र्ज रु र्ज नि या सि नं रु मि थ य दा मी नं रु हं मा नं व रं व ल ॥ ॥

५८

म थ व य थ न न क अ ल न य द ध न रा सि कु ल य थ न न ॥ ॥ म मा ड य रु ण न रु थ थ रु य रु व ध कं ॥ रु वं थ क न धा वं ॥
 रु यं वी रु य था व दा व यो डि म रु न क स लं वी ग क का र व रु शी य लं ग लो व रु वि थो मि ॥ ॥ ग थ धा ल सा थ म थ लि वं
 ध या दा का थो मी मि सा या रु रु म ला हा म न रु क सा थो य म थ दा स दा व लि थ रु वानि क या य म रु शी रु व धी रु थ
 थ रु य रु व ध कं ॥ ॥ ग ड रु ॥ क थ म म मा रु य थ न न वं म रु वं नं थि ग ण नं धा वं म मा थ व कं ॥ ॥ रु वं थ क न का
 क थ थो मि ॥ ॥ म रु क थ क थो व य थ सा जा वा व स ना ना म म न वी र य र ना मि म दान म व रु व ल ना म वा जा
 य रु सा थ थो मि रु क र ॥ ॥ रु वं थ क न धा व थो रु नं क थ क रु मि स वि व स न ना म वा जा ध कं ॥ ध वा जा स न थ ल य

लनाममहानगलमयुं गवतनामवाक्यमसंज्ञायां मयमहावयवसूत्रमधकां ॥ १ ॥ नवां आश्रमि योऽशो वनां
सावश्रवमां नमवनि कमी गवला कथा मासा ॥ २ ॥ धर्मं गवतनां ज्ञातुं महावतवमधवनगलमयुं गवयं दलहास्यं
मि योऽशो वनलावश्रवमां नमवनि कथा मासावयवमं ॥ ३ ॥ गवतवद्व्याजलासावाकोलमगतिरुस्याहकमद्वमीयादि
मया म ॥ ४ ॥ ध्याक्यममनधकाया सदावधवगुरुसावकादावका मनीयं उलयावकद्विनिनहायकवहालधकं ॥ ५ ॥
शायलावश्रवमां नमवला कमी गवला ॥ ६ ॥ सावधवयहावज्जमी कृमद्वद्व्यागदको विलाशवग ॥ ७ ॥ ध्यावश्रव
मि गवतयमया शशानकमलीनहादावमज्जनमका मसीयं यवयावद्वयसवध्यादावसाजयवयाकयमवन

५६

धर्मां नमद्वकवममीना गोपयहकधिमो यथा वाचिनयक ॥ १ ॥ मवतुनां मवावश्रया यशनिनवां नवां ॥ २ ॥ एतत्तथो
वसां मसाया मयया क्रमं मययया क्रमं धर्मां नमध्यावसासानयनां मलसायावद्वलद्वलनलद्वयाथ
धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं
मिमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं
सायायायमिवमाधर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं
लध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं धर्मां नमध्यावश्रवमं

[illegible]

दधममयुष्टकवायलं, वनं कृत्वा मिष्ट, यथा ववशिलया विष्वा सकृन्त एयथा वा कं ॥ यदि सत्सगतिवक्तो राविषया
 त्वमसकृन्तमिष्ट, यमि यमि सत्सगतिवक्तो राविषया त्वमसकृन्तमिष्ट, यमि यमि सत्सगतिवक्तो राविषया
 वननठटावतलनतकिशिमोकद्रधकं ॥ स यमि सत्सगतिवक्तो राविषया त्वमसकृन्तमिष्ट, यमि यमि सत्सगतिवक्तो राविषया
 यायावटावतलनतकिशिमोकद्रधकं ॥ स यमि सत्सगतिवक्तो राविषया त्वमसकृन्तमिष्ट, यमि यमि सत्सगतिवक्तो राविषया
 यमिनकिनठटावतलनतकिशिमोकद्रधकं ॥ स यमि सत्सगतिवक्तो राविषया त्वमसकृन्तमिष्ट, यमि यमि सत्सगतिवक्तो राविषया
 यमिनकिनठटावतलनतकिशिमोकद्रधकं ॥ स यमि सत्सगतिवक्तो राविषया त्वमसकृन्तमिष्ट, यमि यमि सत्सगतिवक्तो राविषया

दृश्यन्त्यनयावदन्तगच्छामाहं यालमिवाद्युवस्यस्यस्यदिमिगंमयस्यमंमस्युदधनयवद्वीसर्वगिनास्यसावन्
 यास्मिन्सावन्वाहकायममयकालेमसीहदिमायस्यथनमक्रोतात्तानमाकयितादावधनमाययनवामन
 शिवस्यसस्माद्वद्वसंयंसायाद्यिमगस्यसावज्जात्समूहयोदस्यसुखमयद्ववंत्तदीहलन्यदनस्योयस्यक्रकयाद्य
 वावमरयावक्षयधकंताथिपुजिद्वद्वधकंत्तस्यकमसमानियवीहमानिकायमसायोकहुसाहुसानि॥००॥
 यद्वद्वानिमयेवगोतल्लमाकवानिवद्वतनमानितात्तमथवा॥००॥मवेनमताकायमानिहमायायहसमयद्वय
 मायदात्तसमागमाहसर्वमयादिहुरंयुंयुनर्विमयाहल्लमाकावातिरुयमानांथिथिविरुसुसज्जनंम

५५

कवत्तमिदंछंमिगमिमाकवद्वयत्तकीकमिगयिगिरसायनंनयनयावानयनंयमसहयागंयस्यस्यद्व
 स्यासहसर्वमिगनमद्वल्लंथिवायसूद्वद्वसमयद्वयाशिलायाकलात्तसर्वमिगलिगितनिकस्य
 लमहसुनयाविधम॥००॥मवद्वविधीवल्ल्यात्तन्यकीयमाकवधयमनवाहल्लवाधयकाननमयकीविल्लय
 यादावत्तद्वयकनविगंवाल्लययमनकलामधकंत्तयावद्ववायंयाक्षयनात्तनहसर्वमिमावमल्लवमाव
 यिगुंकीयमायत्त॥००॥सववधयनांमवत्तवमावद्वविमहावदनहामल्लवयाभावनायायद्वयाययागुमध
 कंत्तकायाहल्लमसत्तवयथाकार्यमयागांत्तधनिअस्यनधवकासवमगवस्यन्मययायमाल्लद्वयाय

